ईश्वर के वचन को समझना सुनिश्चित करें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे उद्धारकर्ता, यीशु मसीह का नाम धन्य हो। आपका स्वागत है जब हम बाइबल के अध्ययन में उतरते हैं—जो हमारी पैरों की दीपक और हमारी राह का प्रकाश है। शैतान की एक चाल यह है कि वह जो छोटा और असुरक्षित है उसे चुरा लेता है।

ईश्वर के वचन को सुनना और उसे वास्तव में समझना आपस में गहराई से जुड़े हैं। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है: सुनिश्चित करें कि आप वचन को समझें।

बाइबल कहती है:
मत्ती 13:18-19 “इसलिए, बीजारोपक की उपमा का अर्थ समझो। जब कोई
राज्य के संदेश को सुनता है और उसे समझ नहीं पाता, तब बुरा आता है
और उस में बोया गया बीज हरण कर लेता है। यही वह बीज है जो रास्ते पर बोया गया है।”

शैतान को उस पक्षी के समान माना गया है, जो बीज जमीन में जड़ जमाने से पहले ही उठा लेता है। वह हर दिन दुनिया भर में घूमकर लोगों के हृदय में बोए गए जीवन के बीज चुराता है। वह यह जानता है कि अगर ये बीज जड़ पकड़ लें और मजबूत पेड़ बन जाएँ, तो वे उसे बहुत हानि पहुंचाएंगे।

ईश्वर के वचन को समझना सुनिश्चित करें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

जो व्यक्ति ईश्वर के वचन को समझता नहीं है, वह शैतान का मुख्य लक्ष्य होता है।
शैतान उस चीज़ को नहीं छीन सकता जिसे कोई वास्तव में समझता है। वह केवल वही चुराता है जिसे समझा नहीं गया—यानी, कोई व्यक्ति वचन सुन सकता है, लेकिन यह उसके हृदय में गहराई तक नहीं उतरता।

इस श्लोक को फिर से पढ़ें:
मत्ती 13:23 – “अच्छी मिट्टी पर गिरा बीज उस व्यक्ति को दर्शाता
है जो वचन सुनता और समझता है। वही व्यक्ति फल देता है, सौ, साठ या
तीस गुना जितना बोया गया।”

देख रहे हैं न? ईश्वर के वचन को सुनने और उसे समझने के बीच एक मजबूत संबंध है। केवल सुनना पर्याप्त नहीं है; समझना ही फल देने वाला है।

दैनिक जीवन में, अगर आप कुछ सुनते हैं लेकिन समझते नहीं हैं, तो उसे अनदेखा करना आसान होता है। चाहे वह कितना भी महत्वपूर्ण या मूल्यवान क्यों न हो, अगर आप उसे नहीं समझते, तो आप उसे बस छोड़ देंगे। ईश्वर के वचन के साथ भी यही सच है। हमें बाइबल केवल कई श्लोक जानने, आध्यात्मिक दिखने या बॉक्स चेक करने के लिए नहीं पढ़नी चाहिए। हमें गहराई से पढ़ना और सुनना चाहिए ताकि हम वास्तव में समझ सकें। शैतान उस चीज़ को नहीं चुरा सकता जिसे हम समझते हैं।

ईश्वर के वचन को समझना सुनिश्चित करें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

शैतान उस व्यक्ति को डराने या पराजित नहीं कर सकता जो वचन को समझता है। वास्तव में, वह उस व्यक्ति से डरता है जिसने एक भी श्लोक गहराई से अध्ययन और समझा हो, उन लोगों से ज्यादा जो पूरी बाइबल याद कर चुके हों लेकिन समझ नहीं पाए। वह उन लोगों से डरता नहीं है जो हजारों उपदेश सुनते हैं लेकिन उन्हें लागू नहीं करते—ये लोग उसका मुख्य लक्ष्य हैं।

जब आप आज सुसमाचार सुनते हैं—यीशु मसीह की खुशखबरी और पाप के परिणाम की चेतावनी—तो यह आपके हृदय में बीज बोने जैसा है। लेकिन अगर आपका हृदय व्यस्त, लापरवाह या उदासीन है, जब उपदेश समाप्त होता है और आप बिना सवाल पूछे या लागू करने की कोशिश किए चले जाते हैं, तो आप कभी ईश्वर को वास्तव में नहीं जान पाएंगे। आप स्थिर रहेंगे और पाप पर शक्तिहीन रहेंगे।

ईश्वर का वचन ध्यान और परिश्रम मांगता है। सुनिश्चित करें कि आप इसे समझें। केवल समय बिताने के लिए न पढ़ें या न सुनें। इसे सावधानीपूर्वक अध्ययन करें, क्योंकि यह ईश्वर की शक्ति है जो उद्धार लाती है। वह उद्धार आपके जीवन में दिखाई देना चाहिए। अगर कुछ भाग समझ में न आए, तो उत्तर खोजें। सवाल पूछें, जांचें और प्रार्थना करें जब तक कि वचन आपके लिए स्पष्ट न हो जाए।

सवाल पूछना मूर्खता नहीं है। समय निकालें और अपने पादरी, शिक्षक, या किसी आध्यात्मिक रूप से परिपक्व भाई या बहन से संपर्क करें। पूछें

ईश्वर के वचन को समझना सुनिश्चित करें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

जैसे:

“इस श्लोक का क्या अर्थ है? मैं भ्रमित हूँ।”
“पवित्रशास्त्र ऐसा क्यों कहता है, लेकिन हम इसे उस तरह क्यों नहीं करते?”
“यीशु पृथ्वी पर क्यों आए?”
“रैप्चर क्या है?”
“बपतिस्मा कभी ‘पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर’ और कभी ‘यीशु के नाम पर’ क्यों
कहा जाता है?”
“इज़राइल क्या है? अंतिम समय कैसा होगा? आज इतने सारे संप्रदाय क्यों हैं?”

विभिन्न लोगों से पूछें, उनके उत्तरों की तुलना करें, फिर अपने घुटनों पर जाकर प्रार्थना करें कि ईश्वर आपको सत्य प्रकट करें। वह विश्वासयोग्य है: यदि हम उसे ईमानदारी से खोजें, तो हम उसे पाएंगे। सवालों को अनुत्तरित न छोड़ें। ये ही सवाल ऐसे बीज हैं जिन्हें शैतान चुराना चाहता है। जब उत्तर मिलते हैं, तो वे आपके जीवन में महान फल देंगे और शत्रु को हानि पहुँचाएंगे। लेकिन अगर अनदेखा किया गया, तो शैतान उन्हें चुरा लेगा और आप स्थिर रहेंगे।

हममें से कई लोग सवाल पूछने से डरते हैं। पादरी या शिक्षक के पास जाने का डर सामान्य है। लेकिन याद रखें, यीशु ने भी सवालों के जवाब दिए। तो पादरी, शिक्षक या भविष्यवक्ता सवाल पूछे जाने से क्यों ऊपर हो सकते हैं? बुद्धिमानी, सम्मान और विनम्रता के साथ उनसे संपर्क करें।

और पादरीयों, जब सवाल पूछे जाएं, इसका मतलब यह नहीं कि आपको सब कुछ

ईश्वर के वचन को समझना सुनिश्चित करें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

जानना या पूरी तरह सही उत्तर देना चाहिए। छोटी समझ भी किसी आध्यात्मिक रूप से युवा व्यक्ति के लिए जीवन बदल सकती है। अगर आपको नहीं पता, तो कहना बेहतर है, “मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पता लगाऊँगा,” बजाय किसी को गुमराह करने के।

भगवान हमें उसके वचन को पूरी तरह समझने में मदद करें।
(सुनिश्चित करें कि आप वचन को समझें।)

Share on:
WhatsApp

Print this post